प्रसार भारती
भारतीय प्रसारण निगम
आकाशवाणी केन्द्र शिमला
20.03.2026 / प्रादेशिक समाचार / 19:45बजे

मुख्य समाचार''

- आर्थिक संकट के बावजूद प्रदेश की विकास दर राष्ट्रीय औसत से अधिक अनुमानित– 2 लाख 83 हज़ार रूपये से अधिक हुई प्रति व्यक्ति आय।
- विधानसभा में शून्यकाल के दौरान नशीले पदार्थों के बढ़ते खतरे को लेकर सत्ता पक्ष व विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक।
- मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा– आर्थिक सुधारों के माध्यम से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है हिमाचल।
- प्रदेश में लगातार हो रही बर्फबारी व बर्षा से जनजीवन प्रभावित– तापमान में 8 से 9 डिग्री सैल्सियस तक गिरावर्ट।
- जलजीवन मिश्न के दूसरे चरण के लिए केंद्र और हिमाचल सरकार के बीच नई दिल्ली में समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित।

आर्थिक सर्वेक्षण

भारी आर्थिक संकट से जूझ रहे हिमाचल प्रदेश की अर्थव्यवस्था मज़बूत बनी हुई है। शिमला में चल रहे प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के दौरान मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू द्वारा विधानसभा में आज पेश किए गए चालू वित्त वर्ष के आर्थिक सर्वेक्षण में ये खुलासा हुआ है। आर्थिक सर्वेक्षण के मुताबिक वर्तमान वित्त वर्ष में हिमाचल में विकास दर राष्ट्रीय औसत से अधिक रहने का अनुमान है। राष्ट्रीय स्तर पर इस वर्ष विकास दर 7 दशमलव 4 से 7 दशमलव 6 फीसद तक अनुमानित है, जबकि हिमाचल में विकास दर 8 दशमलव 3 प्रतिशत अनुमानित है। यही स्थिति प्रति व्यक्ति आय के मामले में भी है। प्रदेश में मौजूदा वित्त वर्ष में प्रति व्यक्ति आय 2 लाख 83 हज़ार 6 सौ 26 रुपए आंकी गई है, जो बीते वित्त वर्ष के मुकाबले 9 दशमलव 8 फीसद अधिक है। हिमाचल की प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत से 64 हज़ार 51 रुपए अधिक है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने बताया कि राज्य सरकार की नीतियों का प्रभाव दिखना शुरू हो गया है और प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

शून्यकाल

प्रदेश विधानसभा में आज शून्यकाल के दौरान नशीले पदार्थों के बढ़ते खतरे का मुद्दा जोरशोर से गूंजा। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भाजपा पर प्रदेश में नशीले पदार्थों के फैलते जाल जैसे संवेदनशील मुद्दों का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। वहीं विपक्ष ने नशा रोकने के लिए गंभीर न होने पर सरकार को घेरा। विस्तृत ब्यौरे के साथ हमारे विशेष संवाददाता.....

डिस्पैच– शिमला में चल रहे प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र में आज सदन में उस समय ज़ोरदार हंगामा देखने को मिला, जब विपक्ष ने शून्यकाल के दौरान नशे का मुद्दा उठाया। इस मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि भाजपा केवल पब्लिसिटी पाने के लिए नशीले पदार्थों के फैलते जाल जैसे संवेदनशील मुद्दों का राजनीतिकरण कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि चिट्टे की तस्करी में शामिल कुल 11 पुलिसकर्मियों और आठ सरकारी कर्मचारियों को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है, इसके अलावा 60 अन्य लोगों को जेल भेज दिया गया है। इस बीच जब मुख्यमंत्री बोल रहे थे, तो भाजपा विधायक नारे लगाते हुए सदन से बाहर चले गए। विपक्ष के हंगामे के बीच सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि वे नशीले पदार्थों के खिलाफ इस लड़ाई में विपक्ष सहित सभी से सहयोग चाहते हैं। उन्होंने कहा कि नशीले पदार्थों के खिलाफ वाकाथॉन का उद्देश्य जागरूकता पैदा करना है और राज्य में नशीले पदार्थों के खतरे को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जा रहे हैं। इससे पहले चिट्टा तस्करी में शामिल कुल्लू पुलिस के चार जवानों की गिरफ्तारी का मामला उठाते हुए नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि अपने राजनीतिक स्वार्थों को साधने के लिए पुलिस बल का दुरुपयोग करने के बजाय राज्य सरकार को ड्रग माफिया के खिलाफ ठोस कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने इस बात पर दुख जताया कि पुलिस जैसा एक अनुशासित बल, जिसकी ज़िम्मेदारी अपराध और नशीले पदार्थों के खतरे को रोकना है, वही ड्रग माफिया के साथ मिला हुआ पाया गया है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि कुछ अधिकारी मुख्यमंत्री को खुश करने के लिए नशीले पदार्थों के खिलाफ वॉकाथॉन जैसे बड़े कार्यक्रम सिर्फ़ दिखावे के लिए आयोजित कर दे हैं। रतेश कपूर आकाशवाणी समाचार शिमला.....

प्रश्नकाल

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा है कि प्रदेश में इस समय एक हज़ार 98 ऐसे भवन हैं जो खाली पड़े हुए हैं। इनका कोई उपयोग नहीं हुआ है। विधानसभा में आज प्रश्नकाल के दौरान विधायक सतपाल सिंह सत्ती के मूल प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि ये भवन विभिन्न सरकारी विभागों निगमों और बोर्डों के अलावा स्वास्थ्य व शिक्षण संस्थानों के हैं। इन भवनों के निर्माण पर बीते वर्षों में करोड़ों रुपए खर्च हुए हैं। विधायक जे.आर. कटवाल के एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि जल विद्युत का उत्पादन पानी की उपलब्धता, आपदा के कारण रुकावट और गाद की समस्या सहित अन्य कारणों पर निर्भर करता है, ऐसे में किसी भी वित्त वर्ष के लिए ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता और न ही ऐसा कोई प्रावधान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में 22 हज़ार 9 सौ 50 मैगावाट जल विद्युत उत्पादन की क्षमता है। इसमें से 13 हजार मैगावाट विद्युत का उत्पादन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में एक सौ 88 जल विद्युत परियोजनाएं कार्य कर रही हैं जबकि 24 निर्माणाधीन हैं और 5 जल विद्युत परियोजनाओं को मंजूरी मिलना शेष है जबकि छह परियोजनाएं कानूनी दांव पेंच में फंसी हुई हैं।

मुख्यमंत्री जवाब

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा है कि हिमाचल आर्थिक तंगी से नहीं जूझ रहा है बल्कि प्रदेश आर्थिक सुधारों के माध्यम से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री आज विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर सरकार द्वारा लाए गए धन्यावाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब दे रहे थे। सदन में धन्यावाद प्रस्ताव को विपक्ष की गैर मौजूदगी में ध्वनिमत से स्वीकार किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि गंभीर वित्तीय चुनौतियों और केंद्र द्वारा राजस्व घाटा अनुदान बंद किए जाने के बावजूद, हिमाचल प्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने कांग्रेस सरकार को बीते वर्ष अस्थिर करने की कोशिश की क्योंकि कांग्रेस के छह विधायकों ने पार्टी के राज्यसभा उम्मीदवार के खिलाफ वोट दिया था। जब मुख्यमंत्री बोल रहे थे, तो नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने पलटवार करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विपक्ष पर झूठे आरोप लगा रहे हैं। जयराम ठाकुर ने कहा कि यह आरोप बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है, इसलिए हम सदन से वॉकआउट कर रहे हैं, जिसके बाद भाजपा के सभी विधायक नारे लगाते हुए सदन से बाहर चले गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की वित्तीय स्थिति कैसी भी हो, उनकी सरकार ओपीएस को जारी रखेगी। उन्होंने भाजपा पर वर्ष 2023 और 2025 की प्राकृतिक आपदाओं का राजनीतिकरण करने का आरोप भी लगाया। इससे पूर्व चर्चा में हिस्सा लेते हुए विधायक विपिन सिंह परमार ने कहा कि कुछ राजनीतिक नियुक्त व्यक्तियों से कैबिनेट का दर्जा छीनने के बजाय, मुख्यमंत्री को वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित करने के लिए उन सभी को हटा देना चाहिए था। कृषि मंत्री चंद्र कुमार, विधायक चंद्रशेखर, सतपाल सिंह सत्ती, आशीष बुटेल, बिक्रम सिंह और त्रिलोक जमवाल ने भी इस चर्चा में हिस्सा लिया।

मौसम

पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से प्रदेश की ऊंची चोटियों पर हिमपात और निचले व मैदानी क्षेत्रों में वर्षा का सिलसिला लगातार जारी है। जनजातीय ज़िले लाहौल स्पीति और किन्नौर सहित कुल्लू व चंबा में बर्फबारी से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। किन्नौर जिले के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भारी हिमपात और निचले इलाकों में लगातार बारिश से कुछ स्थानों पर विद्युत आपूर्ति ठप्प है और सड़क संपर्क भी प्रभावित हुआ है। उधर चम्बा चुवाड़ी वाया जोत, चंबा–खजियार, चंबा–पांगी वाया साच मुख्य मार्गों सहित जिले के 38 सड़क मार्ग बर्फबारी के चलते वाहनों की आवाजाही के लिए बंद हो गए हैं। इसके अलावा ज़िले में 34 बिजली ट्रांसफार्मर और 24 पेयजल योजनाएं भी प्रभावित हुई हैं। कुल्लू ज़िला के धुंधी में लगभग 3 फुट ताज़ा हिमपात हो चुका है। बर्फबारी के चलते जलोड़ी दर्रा सोझा से आगे वाहनों की आवाजाही के लिए बंद है। हालांकि प्रशासन द्वारा व्यवस्थाओं को सुचारू करने के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। इधर राजधानी शिमला सहित मैदानी जिलों में भी वर्षा के बीच सर्द हवाओं का दौर लगातार जारी है। मौसम में आए इस बदलाव से तापमान में 8 से 9 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने आज ऊंचाई वाले इलाकों में हिमपात जबकि निचले व मैदानी क्षेत्रों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

एमओयू

भारत सरकार और हिमाचल प्रदेश सरकार के बीच आज नई दिल्ली में जलजीवन मिशन 2 प्वाइंट ओ के लिए एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू और उप–मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री शिमला से वर्चुअल माध्यम से जुड़े, जबकि केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी.आर.पाटिल भी इस कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल हुए। जलजीवन मिशन के दूसरे चरण को दिसंबर 2028 तक लागू किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार से जलजीवन मिशन के तहत लंबित एक हज़ार 2 सौ 27 करोड़ रूपये की राशि जारी करने का आग्रह किया।

मुख्य समाचार एक बार फिर''

- आर्थिक संकट के बावजूद प्रदेश की विकास दर राष्ट्रीय औसत से अधिक अनुमानित– 2 लाख 83 हज़ार रूपये से अधिक हुई प्रति व्यक्ति आय।
- विधानसभा में शून्यकाल के दौरान नशीले पदार्थों के बढ़ते खतरे को लेकर सत्ता पक्ष व विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक।
- मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा– आर्थिक सुधारों के माध्यम से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है हिमाचल।
- प्रदेश में लगातार हो रही बर्फबारी व बर्षा से जनजीवन प्रभावित– तापमान में 8 से 9 डिग्री सैल्सियस तक गिरावट।

जलजीवन मिश्न के दूसरे चरण के लिए केंद्र और हिमाचल सरकार के बीच नई दिल्ली में समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित।